न्यूज़ टुडे

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा वित्तीय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय रणनीति (National Strategy for Financial Education: NSFE) 2020–2025 जारी की गई है

- NSFE का उद्देश्य जनसंख्या के विभिन्न वर्गों में **ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और व्यवहार विकसित करके उनका सशक्तीकरण** करना है, जो उनके **धन का बेहतर प्रबंधन** करने और **भविष्य की योजना** के निर्माण के लिए आवश्यक है।
- **NSFE के कुछ रणनीतिक उद्देश्य:**
  - **सक्रिय बचत व्यवहार** को प्रोत्साहित करना।
  - सुरक्षित और सतर्क रीति से **डिजिटल वित्तीय सेवाओं के उपयोग में सुधार** करना।
  - **प्रासंगिक और उपयुक्त बीमा कवर** के माध्यम से जीवन के विभिन्न चरणों में जोखिम का प्रबंधन करना।
  - उपयुक्त पेंशन उत्पादों के कवरेज के माध्यम से **वृद्धावस्था और सेवानिवृत्ति की योजना।**
  - **अधिकारों, कर्तव्यों और शिकायत निवारण के लिए माध्यमों के बारे में जानकारी।**
- NSFE, वित्तीय रूप से जागरूक और सशक्त भारत के निर्माण हेतु **बहु–हितधारक आधारित दृष्टिकोण** की अनुशंसा करता है (बॉक्स देखें)
- इस दस्तावेज़ में वित्तीय शिक्षा के प्रसार के लिए **'5C' दृष्टिकोण** को अपनाने की अनुशंसा की गई है, यथा–
  - **सामग्री (Content):** विद्यालयों, महाविद्यालयों और प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों के पाठ्यक्रमों में प्रासंगिक सामग्री का समावेश करना।
  - **क्षमता (Capacity):** वित्तीय सेवा प्रदायगी में संलिप्त मध्यवर्ती संस्थाओं की क्षमता का विकास करना।
  - **समुदाय (Community):** समुदाय आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से वित्तीय साक्षरता को संधारणीय रीति से प्रसारित करना।
  - **संचार (Communication):** वित्तीय शिक्षा संदेशों के प्रसार के लिए प्रभावी संचार रणनीति विकसित करना।
  - **सहयोग (Collaboration):** विभिन्न हितधारकों के मध्य सहयोग में वृद्धि करना।
- **वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता संबंधी तकनीकी समूह (Technical Group on Financial Inclusion and Financial Literacy),** NSFE की आवधिक निगरानी और कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी होगा।

Sl. No	Dimension	Brief Description
1	Life Stage of Target Audience	Children, young adults, adults in workforce, senior citizens with special focus on women
2	Geography with focus on vulnerable social groups	Rural, Urban (with focus on urban poor and migrants). Aspirational Districts, LWE, North Eastern Region (NER), Hilly States, Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep with focus on vulnerable social groups, migrants, persons with disabilities (Divyangjan)
3	Sector specific focus	Agriculture Manufacturing (Skilled/Unskilled labourers/artisans under MSME Sector members of SHGs). Self Employed/Unorganized sector

डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म (DSP) के तहत देश के 70 प्रतिशत से अधिक भाग में ड्रोन के प्रयोग की अनुमति प्रदान की गई है

- DSP के माध्यम से, **नो परमिशन, नो टेक–ऑफ (NPNT) प्रोटोकॉल** का पालन करने वाले ड्रोन ऑपरेटरों को देश के **ग्रीन (अप्रतिबंधित हवाई क्षेत्र) और येलो (एयर डिफेंस अनुमोदन की आवश्यकता वाले हवाई क्षेत्र) जोन्स** में ड्रोन के संचालन की अनुमति प्रदान की जाएगी।
  - DSP, भारत में **रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट** या ड्रोन के प्रयोग की अनुमति प्रदान करने एवं इनके परिचालन के प्रबंधन हेतु विकसित एक सूचना प्रौद्योगिकी (IT) प्लेटफॉर्म है।
  - NPNT एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है, जो ड्रोन ऑपरेटरों को भारत में ड्रोन के **परिचालन से पूर्व डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक वैध अनुमति प्राप्त करने** में सक्षम बनाता है।
- यह ड्रोन्स को देश के लगभग 70 प्रतिशत भू–भाग पर उड़ान भरने की अनुमति प्रदान करेगा। हालांकि, रेड जोन्स (रक्षा और सामरिक प्रतिष्ठानों, विमान पत्तनों एवं सीमा क्षेत्रों के निकट) के रूप में वर्गीकृत भू–भाग पर ड्रोन परिचालन हेतु संबद्ध सुरक्षा एजेंसियों से स्वीकृति प्राप्त करने की आवश्यकता होगी।
- **इस निर्णय का महत्व:**
  - यह **NPNT ड्रोन्स के विनिर्माण या उनकी खरीद के लिए** आत्मविश्वास प्रदान करेगा। अनुमतियों की उचित व्यवस्था के अभाव के कारण पहले यह संभव नहीं था।
  - विदेशी विनिर्माताओं (अधिकतर चीन और फ्रांस से) द्वारा विनिर्मित ड्रोन्स का उपयोग, **(जो NPNT के अनुरूप नहीं हैं)** अब अवैध हो जाएगा।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा की गई

- खेलों में **उत्कृष्टता को मान्यता देने और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को पुरस्कृत करने के लिए** राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक वर्ष खेल पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

विभिन्न खेल पुरस्कार इस प्रकार हैं:

पुरस्कार	क्षेत्र/मानदंड
राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार	किसी भी खिलाड़ी द्वारा विगत चार वर्ष की अवधि में खेल के क्षेत्र में अत्यंत प्रभावशाली और सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए।
अर्जुन पुरस्कार	लगातार चार वर्षों तक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
द्रोणाचार्य पुरस्कार	प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक विजेताओं को प्रशिक्षण प्रदान करने वाले कोचों को यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
ध्यानचंद पुरस्कार	खेलों के विकास में जीवनपर्यंत योगदान करने वाले व्यक्ति को यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार	इस पुरस्कार के माध्यम से ऐसे कॉर्पोरेट संस्थाओं (निजी और सार्वजनिक क्षेत्र दोनों में) और व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने खेल संवर्धन एवं विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निष्पादन किया है।
तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक कार्य पुरस्कार	यह पुरस्कार चार श्रेणियों (यथा– भू साहसिक कार्य, जल साहसिक कार्य, वायु रोमांच और जीवन पर्यन्त उपलब्धि) में युवा खिलाड़ियों को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष दिए जाते हैं।
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ट्रॉफी	यह ट्रॉफी अंतर–विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय को प्रदान की जाती है।

प्रधान मंत्री द्वारा 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड (One Sun One World One Grid: OSOWOG)' पहल का आह्वान किया गया

- **OSOWOG** का लक्ष्य **140 देशों को एक कॉमन (साझी) ग्रिड के माध्यम से परस्पर संबद्ध करना है।** इस **कॉमन ग्रिड** का उपयोग सौर ऊर्जा को अंतरित करने हेतु किया जाएगा।
  - इस अवधारणा को पहली बार वर्ष 2018 में **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance: ISA)** की प्रथम सभा के दौरान प्रस्तुत किया गया था।
- इसके पीछे अंतर्निहित तर्क यह है कि विभिन्न टाइम जोन में विस्तृत एक ग्रिड की सहायता से **अनियमित (intermittent) नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के साथ जोड़ा जा सकता है।**
- **OSOWOG को निम्नलिखित 3 चरणों में विभाजित किया गया है:**
  - **चरण 1:** भारतीय ग्रिड का **मध्य पूर्व, दक्षिण एशियाई और दक्षिण–पूर्व एशियाई (Middle East, South Asia and South East Asian: MESASEA)** ग्रिड्स के साथ अंतर्संयोजन (interconnection)।
  - **चरण 2:** MESASEA ग्रिड का **अफ्रीका के ऊर्जा समुच्चयों (African power pools)** तथा सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा संपन्न क्षेत्रों में स्थित अन्य देशों के साथ अंतर्संयोजन।
  - **चरण 3:** वैश्विक अंतर्संयोजन।
- **OSOWOG के लाभ:** इससे निवेश आकर्षित होंगे; कौशल और प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग होगा; परियोजना लागत में कमी आएगी; उच्च दक्षता सुनिश्चित होगी, परिसंपत्तियों के उपयोग में वृद्धि होगी, ऊर्जा तक पहुंच में बढ़ोतरी होगी आदि।
- **OSOWOG का महत्व:**
  - यद्यपि, भारत अधिकांश व्यापार संघों में एक भागीदार राष्ट्र है, तथापि **ISA और OSOWOG** के माध्यम से यह नेतृत्वकर्ता बनने की योजना निर्मित कर रहा है।
  - यह कई अफ्रीकी बाजारों में चीन की उपस्थिति के विरुद्ध **ISA हेतु प्रमुख निवेश प्रवाह सुनिश्चित करेगा।**
  - यह विशेष रूप से पेरिस जलवायु समझौते से संयुक्त राज्य अमेरिका के पृथक होने की पृष्ठभूमि में **जलवायु परिवर्तन शमन (climate change mitigation)** में देशों की सहायता करेगा।

केंद्र सरकार ने राज्यों को यह निर्देश दिया है कि वे बाढ़ से होने वाली क्षति को रोकने हेतु अपने क़ानून निर्मित करें

- केंद्र ने राज्य सरकारों से बाढ़ के कारण होने वाली क्षति के शमन हेतु **मॉडल बिल फ़ॉर फ्लड प्लेन ज़ोनिंग, 1975** की तर्ज पर उपयुक्त कानून का निर्माण करने के लिए कहा है।
  - **बाढ़कृत मैदानों (flood plains) और नदी तल के संरक्षण का विषय** राज्य सरकार के अधिकार–क्षेत्र के अधीन आता है। इसलिए, **इस पर किसी कानून का निर्माण केवल राज्यों द्वारा ही किया जा सकता है।**
- वर्ष 1975 में, केंद्रीय जल आयोग (Central Water Commission) ने **फ्लड प्लेन ज़ोनिंग विधेयक** का प्रारूप तैयार किया था तथा इसे राज्यों और संघ शासित प्रदेशों को प्रेषित किया गया था। परन्तु, अभी तक केवल मणिपुर, राजस्थान और उत्तराखंड ने ही इस प्रारूप विधेयक के दिशा–निर्देशों को ध्यान में रखते हुए अपने कानून अधिनियमित किए हैं।
- फ्लड प्लेन ज़ोनिंग का अर्थ है कि **संपूर्ण बाढ़ प्रवण क्षेत्र को भिन्न–भिन्न ज़ोन में विभाजित करना** तथा बाढ़ प्रवण क्षेत्रों के विविध ज़ोनों के उपयोग पर प्रतिबंध आरोपित करना, जिससे बाढ़ के दौरान अत्यल्प या शून्य क्षति हो।
  - यह **गैर–संरचनात्मक (आपदा जोखिम और उसके प्रभावों को कम करने के लिए ज्ञान, प्रथाओं या समझौते का उपयोग करना)** बाढ़ शमन उपाय है।
- **फ्लड प्लेन ज़ोनिंग के लाभ:** इससे बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम करने में सहायता मिलती है, भौम जल का पुनर्भरण होता है, जल की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलती है, नदी की जैव विविधता का संरक्षण हो पाता है आदि।

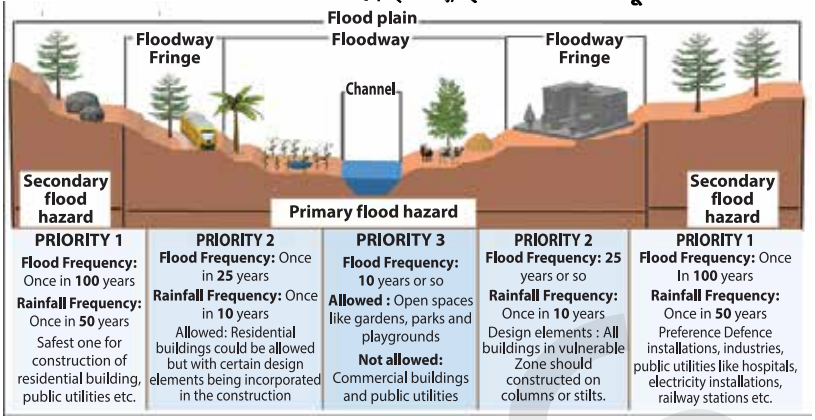

- **बाढ़कृत मैदानों में हेर–फेर के उदाहरण:** अभेद्य सतहों (Impervious Surfaces) में वृद्धि, बाढ़कृत मैदानों के निकट विकास कार्य या अतिक्रमण, जल निकायों का पुनर्भरण, तटबंधों का निर्माण, कृषि गतिविधियों का विस्तार आदि।

अन्य सुर्खियाँ

भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमान 2011–2036 (Population projections for India and States 2011-2036)	○ ये अनुमान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत **राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग** (National Commission on Population) द्वारा प्रदान किए गए हैं। ○ **प्रमुख निष्कर्ष:** ➢ वर्ष 2036 के दौरान **लिंगानुपात** (प्रति 1,000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) बढ़कर 952 (वर्ष 2011 में 943) होने की संभावना है। ➢ वर्ष 2036 में, **भारत की जनसंख्या के 1.0 प्रतिशत** की वार्षिक दर से बढ़कर **151.8 करोड़** हो जाने की अपेक्षा की गई है। ➢ **कुल प्रजनन दर** (Total Fertility Rate) वर्ष 2011–2015 के 2.34 से घटकर वर्ष 2031–35 के दौरान 1.72 तक पहुँचने की संभावना व्यक्त की गई है। ➢ **शिशु मृत्यु दर** (Infant mortality Rate) वर्ष 2010 के 46 की तुलना में घटकर वर्ष 2031–35 के दौरान 30 तक पहुँचने की संभावना व्यक्त की गई है।
पेयजल आपूर्ति तंत्र के लिए प्रारूप मानक (Draft standard for the drinking water supply system)	○ यह प्रारूप **भारतीय मानक ब्यूरो** (Bureau of Indian Standards: BIS) द्वारा तैयार किया गया है। ➢ इन मानकों को अनिवार्य घोषित किए जाने का निर्णय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा लिया जाएगा। ○ इन मानकों का उद्देश्य **जल गुणवत्ता बनाए रखने हेतु एक मानदंड के रूप में** कार्य करना तथा इसे लागू करने हेतु चयनित राज्यों के लिए एक समान प्रक्रिया विकसित करना है। ○ ये अपरिष्कृत जल की खरीद, इसके उपचार, वितरण, गुणवत्ता अनुरक्षण और प्रबंधन के उत्तरदायित्व सहित **जल उपयोगिताओं की आवश्यकताओं को पूर्ण करेंगे।**
पार्टिसिपेटरी नोट्स (पी–नोट्स) {Participatory notes (P-notes)}	○ **घरेलू पूंजी बाजार में पी–नोट्स के माध्यम से निवेश** जुलाई के अंत तक बढ़कर 63,288 करोड़ रुपये हो गया है। इस प्रकार यह लगातार चौथी मासिक वृद्धि को दर्शाता है। ○ पी–नोट्स वस्तुतः **विदेशी डेरीवेटिव इंस्ट्रूमेंट्स** होते हैं। इसके माध्यम से विदेशी निवेशक सेबी अर्थात् भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (Securities and Exchange Board of India: SEBI) के साथ पंजीकृत हुए बिना भारतीय प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। ○ ये पंजीकृत **विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (Foreign Portfolio Investors: FPI)** द्वारा जारी किए जाते हैं। ○ पंजीकरण की औपचारिकता से राहत और पहचान गोपनीय होने के कारण पी–नोट्स ने लोकप्रियता अर्जित की है।
हरित पथ (Harit Path)	○ यह एक मोबाइल ऐप है, जो देश भर में **हरित राजमार्ग के निर्माण की सुविधा प्रदान करेगा।** ➢ यह **राजमार्ग वृक्षारोपण परियोजनाओं** के तहत प्रत्येक पौधे के स्थान, उसकी वृद्धि, अनुरक्षण गतिविधियों, लक्ष्यों आदि की निगरानी करेगा। ○ यह सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तहत **भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा विकसित** किया गया है। ○ हाल ही में, NHAI ने राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान के तहत हरित भारत संकल्प का शुभारंभ किया था। इसके तहत NHAI द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारों पर 25 दिनों में 25 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया गया था।
बोरियल समर इंट्रा सीजनल ऑसिलेशन {Boreal Summer Intra Seasonal Oscillation (BSISO)}	○ यह मानसून (जून–सितंबर) के दौरान लगभग प्रत्येक 10–50 दिनों के लिए हिंद महासागर से पश्चिमी प्रशांत महासागर की ओर **ऊष्मा का संवहनीय संचलन** है। ○ शोधकर्ताओं को यह ज्ञात हुआ है कि BSISO **उत्तरी हिंद महासागर और अरब सागर में उच्च तरंग (wave) गतिविधि को प्रेरित करता है।** ○ BSISO का अध्ययन भारत के तटवर्ती इलाकों में **सागरीय तरंगों के पूर्वानुमान को बेहतर बनाने** और उच्च तरंगों के प्रतिकूल प्रभावों (तटीय बाढ़, अपरदन, आदि) को कम करने में सहायता प्रदान करेगा। ○ यह **समुद्री नौपरिवहन मार्गों** हेतु बेहतर योजना निर्माण में भी सहायता करता है।
हिल्सा मछली (Hilsa fish)	○ गुजरात में नर्मदा नदी पर निर्मित भादभूत बाँध परियोजना से हिल्सा मछली के प्रवास और प्रजनन चक्र में व्यवधान उत्पन्न होने की संभावना व्यक्त की गई है। ○ हिल्सा एक **समुद्री मछली** है। ये मछलियाँ अपने प्रवास के दौरान धारा के प्रतिकूल गमन करते हुए और सामान्यतः मानसून के महीनों के दौरान भरूच के निकट नर्मदा नदी के मुहाने के आस–पास खारे जल में अंडे देने आती हैं। ○ यह एक प्रकार की **तैलीय मछली** है, जो बंगाली और ओडिया व्यंजनों में सामान्य रूप से प्रयुक्त होती है।
थंबी महोत्सवम 2020 (Thumbimahotsavam 2020)	○ केरल में प्रथम बार **राजकीय ड्रैगनफ्लाई महोत्सव (State Dragonfly Festival)** का आयोजन किया जा रहा है। ➢ **पंतालू** (Pantalu) इस महोत्सव का आधिकारिक शुभंकर (मैस्कॉट) है। ○ यह राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और आई.यू.सी.एन.–सी.ई.सी. (IUCN-CEC) के सहयोग से डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. इंडिया (WWF India), बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी तथा इंडियन ड्रैगनफ्लाई सोसाइटी द्वारा आयोजित **राष्ट्रीय ड्रैगनफ्लाई महोत्सव** का भाग है। ○ ड्रैगनफ्लाई और डैम्ज़ल्फ्लाइ (ड्रैगनफ्लाई की एक प्रजाति) द्वारा पर्यावरण में निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिकाओं के विषय में लोगों को शिक्षित करने व जानकारी प्रदान करने हेतु वर्ष 2018 में ड्रैगनफ्लाई महोत्सव का शुभारंभ किया गया था।